## Mechanical Engineering Department Academic-Audit (23rd April, 2026)

An academic audit of the Department of Mechanical Engineering was conducted on 23rd April 2026 to review the academic processes, teaching–learning practices, and documentation in alignment with institutional quality standards. The audit was carried out in the presence of Prof. Neeraj Sinha, Department of Mechanical Engineering, IIT Kanpur, who served as the external expert. The session was also attended by Prof. Krishna Kumar, Associate Dean, CEIQA, who provided valuable insights regarding quality assurance and institutional compliance. During the audit, various aspects such as curriculum delivery, course documentation, outcome-based education practices, and continuous assessment mechanisms were reviewed and discussed. The interaction facilitated constructive feedback and recommendations aimed at further strengthening the academic framework and ensuring continuous improvement in line with accreditation requirements.

**HBTU Hosts International Conference on Materials, Machining & AI Applications**

A two-day international conference on "Advances in Materials, Machining and Artificial Intelligence Applications" was organized by the Department of Mechanical Engineering at Harcourt Butler Technical University, bringing together academicians, researchers and industry experts from India and abroad. Addressing the inaugural session, Vice-Chancellor Prof. Shamsher highlighted the growing need to integrate material science and machining with artificial intelligence in today's industrial landscape. He said such platforms promote innovation and expose students to emerging technologies. Over 70 researchers participated, and around 20 research papers were presented on the first day. The conference provided a platform for knowledge sharing on emerging technologies.

13/20

# आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनुप्रयोगों पर चर्चा

**कानपुर।** एचबीटीयू में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से मटेरियल, मशीनिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनुप्रयोगों में प्रगति विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हुआ। शुभारंभ कुलपति प्रो. समशेर ने किया। उन्होंने आधुनिक औद्योगिक परिदृश्य में सामग्री विज्ञान और मशीनिंग प्रक्रियाओं के साथ एआई के महत्व पर जोर दिया। कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. राजीव उपाध्याय ने डिजिटल तकनीक के समावेश की आवश्यकता बताई। पहले दिन 20 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन की थीम डॉ. यशवीर सिंह ने रखी और संयोजन प्रो. निशांत सिंह ने किया। (ब्यूरो)

# एआई पर फोकस करना समय की मांग

## ❑ एचबीटीयू में दो दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेस शुरू

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 24 अप्रैल। आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस की एकेडमिक फील्ड में अनदेखी नहीं की जा सकती है। हालांकि कृतिम बुद्धिमत्ता मानव इंटलीजेंस पर भारी नहीं पड़ सकती। इसका सार्थक प्रयोग तो बेहतरी के लिए किया जा सकता है लेकिन इसके दुरुपयोग की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। समय के अनुसार सभी को इस पर फोकस करना होगा। शिक्षा का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहेगा। मटेरियल साइंस की अपनी अलग अहमियत है। जिस तरह से दौर बदला है मटेरियल साइंस की भूमिका काफी अहम हो गई है। यह विचार एचबीटीयू मे मटेरियल मशीनिंग एवं आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस पर आयोजित दो दिवसीय इंटरनेशनल कांफ्रेंस का शुभारंभ करते हुए कुलपति प्रोफेसर समशेर सिंह ने व्यक्त किये। एचबीटीयू वाइस चांसलर ने यह भी कहा कि इस तरह की कांफ्रेंस से शिक्षाविदों को नयी तकनीक के बारें जानकारी मिलती है इस तरह के आयोजन समय समय पर करते रहना चाहिए। कांफ्रेंस के स्पेशल गेस्ट डॉ. विपिन शुक्ला डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एण्ड इंड्रस्ट्रियल रिसर्च ने कहा कि स्टार्टअप पर स्टूडेंटस् को फोकस करना चाहिए। अपने आईडियाज को ज्यादा लोगों में शेयर करने से बचें। स्टार्टअप करने के लिए दो साल का प्लान बनाकर चलें और फाइंनेस मैनेजमेंट पर भी फोकस करते रहना चाहिए। स्टार्टअप ऐसा करें जिसमें समाज के लोगों को ज्यादा से ज्यादा राहत मिले और अपने उत्पाद की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इस अवसर पर सफल स्टार्टअप के लिए व्यवहारिक मागदर्शिका भी प्रस्तुत की। द्वितीय सत्र में कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. राजीव उपाध्याय ने उत्पादन प्रणालियों में डिजिटल तनकीक के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कांफ्रेंस की थीम प्रो यशवीर सिंह ने पेश की। प्रोग्राम संयोजक प्रो निशांत सिंह ने बताया कि कांफ्रेंस में करीब 70 से अधिक रिसर्चर ने प्रतिभाग किया। कांफ्रेंस कोआर्डिनेटर डॉ. रोहित कुमार ने बताया कि इस अवसर पर 20 रिसर्च पेपर पेश किये गए।

व्यवहारिक मार्ग दर्शिका का विमोचन करते अतिथि।

## कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच जीआईटीआई पांडुनगर के जीत मिश्रा ने बाजी मारी

पुर, 24 अप्रैल। जीआईटीआई पांडु नगर से तकनीकी शिक्षा हासिल करने वाले जीत मिश्रा ने सैकड़ों स्टूडेंट्स को टक्कर देते हुए नी काबिलियत के दम पर भारत सरकार के उपक्रम आईटीआई लिमिटेड में जॉब ऑफर लेटर हासिल कर लिया। इस चयन क्या में देशभर से करीब 500 स्टूडेंट्स ने आवेदन किया था जिसमें कि करीब 29 स्टूडेंट्स को 6 यूनिट्स के लिए चयनित ा गया जिसमें कि जीत मिश्रा का भी नाम शामिल है। यह जानकारी जीआईटीआई पांडु नगर के प्रिंसिपल हरीश मिश्रा ने दी। सपल श्री मिश्रा ने बताया कि आईटीआई लिमिटेड ने दिसंबर 2025 में विज्ञापन देकर आवेदन मांगे थे। करीब एक